Acharya Vidhyasagar Sudhasagar Jain Shodh Peeth
C.S.J.M. University, Kanpur
Odd Semester Examination 2025-26
M.A Jain Darshan (1st Semester)
चैतन्य चंद्रोदय (शतक महाकाव्य)(A510701T)

निर्धारित समय: 3:00 घंटे **अधिकतम अंक: 75**

नोट- प्रत्येक खण्ड में यथानिर्दिष्ट प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

खण्ड-क

प्रश्न-1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है | 3X9=27 अंक

(क) आत्मा के तीन प्रकार लिखिए ?
(ख) आत्मा का स्वरूप क्या है ?
(ग) चैतन्य चंद्रोदय के रचयिता कौन हैं ?
(घ) महाकवि आचार्य विद्यासागर की तीन कृतियाँ लिखिए ?
(ङ) आचार्य विद्यासागर का जन्म कहाँ हुआ था ?
(च) मंगलाचरण क्यों किया जाता है ?
(छ) द्रव्य का क्या स्वरूप है ?
(ज) जीवद्रव्य सारभूत क्यों है ?
(झ) जीव के अन्दर कौन से गुण पाये जाते हैं ?

खण्ड-ख

नोट-निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल दो के उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न के तीन भाग है | प्रत्येक प्रश्न के 3X4=12 अंक निर्धारित है | 12X2=24

प्रश्न-2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) आत्मा के गुणों का वर्णन कीजिए ?
(ख) श्रुति (श्रुत) किसे कहते हैं ?
(ग) द्रव्य श्रुति और भाव श्रुति को समझाइए ?

प्रश्न-3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) तीर्थंकर और गणधर का क्या संबंध होता है ?
(ख) द्रव्य, गुण, पर्याय से आप क्या समझते हैं ?
(ग) सामान्य और विशेष गुण को समझाइए ?

प्रश्न-4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) सर्वज्ञदेव द्वन्द्व विमुक्त कैसे होते हैं ?
(ख) ज्ञानोपयोग एवं दर्शनोपयोग को समझाइए ?
(ग) दर्शनोपयोग के भेदों को स्पष्ट कीजिए ?

खण्ड-ग

नोट- निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल दो उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न के दो भाग हैं | प्रत्येक प्रश्न के 2X6=12 अंक निर्धारित है | 12X2=24

प्रश्न-5 निम्नलिखित गाथाओं का अर्थ स्पष्ट कीजिए –

(क) चैतन्यचंद्रोदय चंद्रिकायै शस्तां मतिं वास्मि नतिं दधानः |
भव्याम्बुराशौ भविकत्वजातिः पन्थाः प्रशस्तस्तमसोऽस्तु हानिः ||
(ख) सारेषु सारोस्त्विह एक एव चैतन्यसारोऽथ तकस्य रूपम् ।
स्वरूपलाभाय विरूपहान्यै वदामि भक्त्या समयस्य युक्त्या ।।

प्रश्न-6 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) आचार्य विद्यासागर महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश कीजिए ?
(ख) ज्ञप्ति क्रिया एवं तृप्ति क्रिया को विस्तार से समझाइए ?

प्रश्न-7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) दर्शन, ज्ञान स्वपर प्रकाशक है या नहीं स्पष्ट कीजिए ?
(ख) कारकों के समीचीन ज्ञान बिना मोह क्यों नहीं छूटता ?

प्रश्न-8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) ईश्वर में कर्त्ता, हर्त्ता, पालक की बुद्धि दुःख का कारण क्यों है ?
(ख) करण किसी भी काल और किसी भी विषय में कर्त्ता नहीं होता है , ऐसा क्यों कहा गया है ?